



लोकपाल केस में

गुरुती ने दी बुनौती

रांची। दिल्ली हाईकोर्ट की एकल पीठ आदेश के खिलाफ़ ज्ञामप्री अध्यक्ष व राज्यसभा सदस्य शिवु सोरेन ने एलपीए (टेटेस्ट पेटेट अपील) दाखिल की है। अपनी याचिका के माध्यम से उन्होंने दिल्ली हाईकोर्ट की सिपाल बैच के उस आदेश को बुनौती दी है, जिसमें हाईकोर्ट ने लोकपाल में चल रही अधिकारीय परोक्ष लागान से इंकार करते हुए उनकी याचिका खारिज कर दी थी। हाईकोर्ट के दो जजों की खड़पीट मंगलवार को सुनवाई संभव है।

किसानों ने दुकराया

सरकार का प्रस्ताव

नयी दिल्ली। किसान की ओंदालन में शामिल संगठनों की ओंदेर सरकार के मन्त्रियों के साथ हुई गौही बैठक भी बैठनीजा रही है। हरियाणा के श्रीमू बैंडर पर किसान संगठनों ने प्रेस कॉफ़ेस कर केंद्र सरकार के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। किसान मोर्चा ने 21 फ़रवरी के बाद बड़े ओंदालन की बैठनीजा दी है।

कोयला तस्करोंने किया

डीआइजी की टीम पर हमला

रामगढ़। बोकारो और रामगढ़ जिले के सीमांतरी क्षेत्रों में अधैष कोयले का कारोबार चल रहा है। रविवार की रात भी हजारीबाग डीआइजी की टीम रामगढ़ जिले में छापेरामी कर रही थी। इसी दैरवन वहाँ कोयले से लदी गाड़ी भी इस टीम ने पकड़ा। जैसे ही उस गाड़ी को पुलिस ने अपने कलंज में लिया, कोयला तस्करों का गिरोह उनपर हाती हो गया। 50-60 तस्करों के द्वारा पुलिस टीम पर पथराव शुरू कर दिया। कोयल लदी गाड़ी छुड़ा ली। इस मामले में कार्रवाई का आदेश जारी किया गया है।

अदिति सेन को जीडी बिड़ला

वैज्ञानिक शोध पुरस्कार

नयी दिल्ली। वर्ष 2023 का घण्यायम दास बिड़ला वैज्ञानिक शोध पुरस्कार हरीश चन्द्र अनुसंधान संस्थान प्रयागराज की प्रोफेसर अदिति सेन को दिया जायेगा। फाउंडेशन की ओंदेर सोमेपर को जारी विजिके के अनुसार प्रो सेन ने भौतिकी विज्ञान में दूरसंचार सूचना एवं संगणना के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

छठे समन पर भी पेश

नहीं हुए केजरीवाल

नयी दिल्ली। आबकारी घोटाला मामले में आम आदीयों पार्टी (आप) की मुख्यमंत्री थमान को नाम नहीं ले रही है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इस मामले के अप संयोजक एवं मुख्यमंत्री अधिकारी के जेजरावल को छठा समन भेजे जिसे नरजरांदाज करने पर सोमवार को जांच एंजेसी ने श्री केजरीवाल के खिलाफ़ अदालत में शिकायत दर्ज करायी।

एक लाख तक टैक्स

डिमांड किया माफ़!

नयी दिल्ली। एक करोड़ से ज्यादा टैक्सऐस को बड़ी राहत दी, जिनके उपर एक लाख रुपये तक के टैक्स डिमांड को नोटिस भेजा हुआ है। सैंटल लोड ऑफ़ डायरेक्ट टैक्स ने अपने आदेश में कहा है कि इनकम टैक्स विभाग ने 31 जनवरी 2024 तक पुनरेकाये टैक्स कोम डिमांड पर छूट दें और उसे खम्ब करने की शुरूआत कर दी है।

वाहना

आपूर्णण

सोना (बिक्री) : 58,200 रु./तोला

चांदी : 73,000 रु.प्रति किलो

तीसरी आंख

रोता हुआ किसान क्या आपको अच्छा लगता है जनावर!

इटखोरी में बोले सीएम, मां की पूजा से मन को मिलती है शांति, राज्य की खुशहाली की कामना की

ज्ञाएखंड के हर परिवार में जलेगा शिथा का दीप

खबर मन्त्र संवाददाता

चतरा। जिले के इटखोरी स्थित प्रसिद्ध भद्रकाली मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद मुख्यमंत्री चंद्रपाल सोरेन ने तीन विदेशीय राजकीय इटखोरी महोत्सव का उद्घाटन किया। उन्होंने मां भद्रकाली से राज्य और समाज को कुशलता की कामना की। मां की पूजा से मन को बड़ी शांति मिलती है। समाज में सबसे ज्यादा मां देवी का ही अहम भूमिका है। समाज को दुराचार से बचाने के लिए ही मां होती है। समाज में महिलाओं की अहम भूमिका होती है। इस



सबकी बात सबके साथ

किसी की पढ़ाई पैसे के कारण नहीं रुकेगी

चंपाई सोरेन ने कहा कि पूर्व सीएम हमें राज्य में शिक्षा की जो जित जलायी है, वह जलती रहेगी। किसी भी गरीब परिवार के बच्चों की पढ़ाई पैसे के कारण नहीं रुकेगी। सरकार ने ऐसे बच्चों का मदद के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। उनकी सरकार सभी को सिखा देने को कृतसक्त है। पैसे के अभाव में किसी की पढ़ाई नहीं रुकेगी। हर परिवार में शिक्षा का दीप जलाए।

सकता। कोरोना काल के दो साल बाद एक बार पर राजकीय इटखोरी महोत्सव का आयोजन नहीं किया गया है। यह न्यायालंबित नहीं है। हमें हमारा हक तो मिल ही चाहिए। उन्होंने कहा, आधुनिक युग में ज्ञारखंड को भी विकास की ओर ले जाना है। यह के मूलवासी को उसका लाभ मिलेगा। (शेष पेज 11 पर)

राज्य तभी आगे बढ़ेगा जब लोग समृद्ध होंगे

हजारीबाग में बोले सीएम, डबल इंजन सरकार ने खूब लूटा

अबुआ आवास योजना

28. 295 हजार लाभुकों को स्वीकृति प्रदान करने नहीं दिया पीएम आवास, तो हम दे रहे 20 लाख अबुआ आवास

खबर मन्त्र व्यू

हजारीबाग, रांची। रोटी, कपड़ा और मकान हर किसी की बुनियादी ज़रूरत है। राज्य का कोई भी व्यक्ति इससे बचने रहे, इसके साथ सरकार सकलित्पत है। मुख्यमंत्री चंद्रपाल सोरेन ने सोमवार के हजारीबाग में अबुआ आवास योजना के तहत स्वीकृति प्रदान करने के लिए इटखोरी और रामगढ़ जिले के हजारों अबुआ आवास योजना के लाभुकों को हजारीबाग जिले के विवाद भावे विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित समारोह में शामिल हुए। इन चार जिलों के लिए 2 लाख 82 हजार अबुआ आवास प्रस्तावित हैं। सीएम ने कहा कि किसानों



केंद्र और भाजपा पर बोला हमला

केंद्र और भाजपा पर हमला करते हुए सीएम ने कहा कि डबल इंजन सरकार की पिछे हट ज्ञारखंड की संपादा पर थी। डबल इंजन की सरकार ने जब जब ज्ञारखंड में शासन किया, यहाँ की खनिंस संपादा को लूटने का काम किया। यहाँ के संसाधनों पर उनकी पिछे हट थी। ज्ञारखंड के लोगों के शेषांकिक, समाजिक, अर्थिक विकास के लिए कभी कोई काम नहीं किया। बुनियादी सुविधा तक लोगों को नहीं दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कई बार आग्रह के बावजूद केंद्र सरकार के ज्ञारखंड को पीछा कर रही है। डबल इंजन की सरकार ने जब जब ज्ञारखंड में शासन किया, यहाँ की खनिंस संपादा को लूटने का काम किया। यहाँ के संसाधनों पर उनकी पिछे हट थी। ज्ञारखंड के लोगों के शेषांकिक, समाजिक, अर्थिक विकास के लिए कभी कोई काम नहीं किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि डबल इंजन पर बाल रामगढ़ के बावजूद ज्ञारखंड को पीछा कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कई बार आग्रह के बावजूद केंद्र सरकार के ज्ञारखंड को पीछा कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कई बार आग्रह के बावजूद केंद्र सरकार के ज्ञारखंड को पीछा कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कई बार आग्रह के बावजूद केंद्र सरकार के ज्ञारखंड को पीछा कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कई बार आग्रह के बावजूद केंद्र सरकार के ज्ञारखंड को पीछा कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कई बार आग्रह के बावजूद केंद्र सरकार के ज्ञारखंड को पीछा कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कई बार आग्रह के बावजूद केंद्र सरकार के ज्ञारखंड को पीछा कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कई बार आग्रह के बावजूद केंद्र सरकार के ज्ञारखंड को पीछा कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कई बार आग्रह के बावजूद केंद्र सरकार के ज्ञारखंड को पीछा कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कई बार आग्रह के बावजूद केंद्र सरकार के ज्ञारखंड को पीछा कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कई बार आग्रह के बावजूद केंद्र सरकार के ज्ञारखंड को पीछा कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कई बार आग्रह के बावजूद केंद्र सरकार के ज्ञारखंड को पीछा कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कई बार आग्रह के बावजूद केंद्र सरकार के ज्ञार

झामुमो के प्रधान महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने झड़ी और भाजपा पर साधा निशाना

चुनाव आयोग तो केवल इलेक्शन की डेट तय करेगा लेकिन चुनाव तो झड़ी करायेगा।

कांग्रेस मुक्त भारत बनाने का दावा करने वाली भाजपा ने कांग्रेस युक्त भाजपा बना डाला, भाजपा में 740 सांसद-विधायक कांग्रेस एवं अन्य दलों के



इस दावे के पीछे की सच्चाई कुछ और ही है। इलेक्शन कमीशन तो केवल चुनाव की तिथि घोषित करेगा, मगर चुनाव तो असल में ईडी कराएगा। जिसकी पटकथा पिछले दो सालों से लिखी जा रही है। झारखण्ड सहित कई राज्य इसके उदाहरण हैं जो भाजपा कांग्रेस मुक्त भारत बनाने का नारा देते रही। दरसअल वह कांग्रेस युक्त भाजपा बन कर रही गयी। देश में 740 सांसद-विधायक ऐसे हैं जो कांग्रेस

पीएम मोदी के आने के बाद देश में बहुत कुछ बदल गया

भट्टाचार्य ने कहा कि विगत दस साल के शासन में मोदी जी ने कई चीजों की परिभाषा बदल डाली। 2014 में मोदी जी ने कहा, हमारे आने के बाद देश में बहुत कुछ नया होगा। देश बदल जाएगा। 2019 में कहा था कि क्या खाना, क्या नहीं खाना है। क्या पहनना है, क्या नहीं पहनना है। क्या पढ़ना है, क्या नहीं पढ़ना है। क्या सुनना है क्या नहीं सुनना है। विपक्ष मतलब भ्रष्टाचारी और जो भाजपा में है सदाचारी। जो शासन के हां में हां मिलाए वह राष्ट्रवादी। जो शासन का विरोध करे वह देशद्वेषी। जो भाजपा के साथ चल जाए और डिप्टी सीएम, मंत्री और जो उनके साथ न जाए उसकी जगह जेल।

अन्य क्षेत्रीय दलों से गए। उन्होंने कहा कि मोदी जी को भले ही बिना चुनाव लड़े विदशों से आमंत्रण मिल रहा हो, मगर हमारे हेमंत जी को पूरे देश के आदिवासी, युवा, पिछड़े, अल्पसंख्यक बुला रहे हैं। बहुत जल्द हेमंत सोरेन भी पूरे देश में जाएंगे। उक्त बातें पार्टी प्रधान महासचिव एवं प्रवक्ता सुधियो भट्टाचार्य ने पार्टी कार्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान कही।

अब किसान धान-गेहू नहीं अडानी-अंबानी के लिए कपास और दाल उगाएंगे : भट्टाचार्य ने कहा कि सान सरकार से एमएसीपी मांगते हैं तो सरकार उन्हें इनोवेशन एग्रीकल्वर का प्रस्ताव देती है। यानी कि किसान धान, मक्का और गेहू की खेती नहीं अडाणी और अंबानी के लिए दाल और कपास की खेती करें। यानी जनता कपास खाए और दाल पीये। अजीब स्थिति इस देश में पैदा की जा रही है।

इधर श्रा भट्टाचार्य न भाजपा के आदिवासी एवं दलित प्रेम का उपहास उड़ाते हुए कहा कि एक दलित को राष्ट्रपति बनाकर संसद भवन के उद्घाटन में नहीं बुलाया गया। एक आदिवासी महिला को राष्ट्रपति भवन में कैद कर दिया गया।

झारखण्ड सरकार गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग
झारखण्ड आन्दोलनकारी चिन्हितीकरण आयोग।

जूनियर इंजीनियर परीक्षा के अभ्यर्थियों ने
निकाली जेएसएससी की अर्थी, मुंडवाया सिर



परिणाम जारी करने की मांग की है। चार माह बीत गये, लेकिन अब तक जारी नहीं हुआ परिणाम : मालूम हो कि जेएसएसी ने चार माह पहले जूनियर इंजीनियर की परीक्षा ली थी। लेकिन आयोग ने अभी तक परीक्षा का परिणाम जारी नहीं किया है। छात्रों ने कई बार संवाधित अधिकारियों से मुलाकात की और परीक्षा परिणाम जारी करने की मांग की। लेकिन अर्थर्थियों को हर बार सिर्फ आश्वासन दिया गया इससे पहले भी जेएसएसी ने देव बार जूनियर इंजीनियर की परीक्षा ली थी और अलग-अलग कर्म से रहा हो गया एक बार तो ठीक हो गया अपनी मांगों को लेकर जूनियर इंजीनियर के अर्थर्थी के 16 फरवरी से अनशन पर बैठे हुए हैं। अनशन के चौथे दिन जेएसएसी का अर्थ सजा कर अपना विरोध जाता रहे हैं।

۷

राजभवन में आस सचिव के दो पद सूजित
रांची। राजभवन झारखण्ड में दो नए पद सूजित किए गये हैं। वहीं, पूर्व वेतनमान के दो पद सूजित पदों को सरेंडर किया गया है। पूर्व में सिर्फ राज्यपाल के आस सचिव के दो पद सूजित थे, जिसे अब बदल दिया गया है। अब राज्यपाल के वरियरों के आस सचिव के एक पद जिनका वेतनमान पीबी 4- 37400-67000, ग्रेड पे- 8700 सातवें वेतनमान के अनुरूप वहीं, एक पद आस सचिव का भी होगा। जिनका वेतनमान 15600-39100 ग्रेड पे-6600 रुपए सातवें वेतनमान के अनुरूप दिया जायेगा।

आरटीए संचिव को डीडी सांख्यिकी और आरटीओ को डीडी कल्याण का अतिवित प्रभासरण रांची। आरटीए संचिव श्याम नारायण राम को उप निदेशक, सांख्यिकी दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल रांची का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। वहीं, क्षेत्रीय विकास पदाधिकारी गौतम कुमार भगत को उप निदेशक कल्याण दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल रांची तथा उप निदेशक राजभाषा दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल रांची का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। बताते चलें कि दोनों पद डीडी कल्याण के स्थानांतरण के बाद रिक्त हो गये थे। कमिशनर के निर्देश पर इससे संबंधित आदेश जारी कर दिया गया है।

एमपीडब्ल्यू कल करण झारखड मंत्रालय का घराव रांची। स्वास्थ्य विभाग के सभी एमपीडब्ल्यू कर्मचारी आगामी बुधवार को रार्च के डोरंडा स्थित झारखड मंत्रालय का घेराव करेंगे। इसमें राज्य के सभी जिलों से कर्मचारी शामिल होंगे। इससे राज्य में चल रहे राष्ट्रीय एमडीए, आईडीए पायलटरिया कार्यक्रम के प्रभावित होने की आशंका है। झारखड एमपीडब्ल्यू कर्मचारी संघ और झारखड राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ के बैनर तले कर्मी मंत्रालय का घेराव करेंगे। चरणबद्ध आंदोलन के आठवें दिन 19 फरवरी, 2024 को राज्य भर के सभी जिलों के एमपीडब्ल्यू कर्मस्थाई समायोजन की मांग को लेकर 1 दिवसीय भूख हडताल पर रहकर कार्य करते हुए विरोध दर्ज कराया। संघ के प्रदेश अध्यक्ष पवन कुमार अमला महासचिव मगल हेम्बम ने कहा कि विगत 8 दिनों से कर्मी आंदोलन पर हैं बिना काम बाधित किए विरोध दर्ज करा रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग और राज्य सरकार द्वारा संज्ञान नहीं लेने से कर्मियों में काफी रोष है। सभी कर्मी सहित राज्य संघ, मजरसंघ के पदधारियों ने कहा कि 21 फरवरी, 2024 से पहले स्वास्थ्य विभाग या राज्य सरकार मांगों पर संज्ञान नहीं लेती है तो 21 फरवरी को झारखड मंत्रालय का घेराव किया जायेगा। इसकी जानकारी राज्य सरकार सहित स्वास्थ्य विभाग के वरीय अधिकारियों को दी जा चुकी है।

कमला सिंह का आय स आधक सपात का
जांच नहीं करेगी एसीबी, लगी सुप्रीम रोक
रांची। सुप्रीम कोर्ट ने लातेहार के तत्कालीन जिला शिक्षा अधीक्षक कमला सिंह की एसएलपी पर सुनवाई करते हुए वर्ष 2023 में झारखण्ड हाई कोर्ट द्वारा उनके रिट में पारित आदेश पर रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले में राज्य सरकार, एंटी करप्रशान ब्यूरो (एसीबी) को नोटिस जारी किया है कमला सिंह पर लातेहार के जिला शिक्षा अधीक्षक रहते हुए वर्ष 1995 से 2005 के बीच आर्थिक गड़बड़ी की शिकायत वर्ष 2013 में लोकायुक्त के समक्ष की गयी थी। वर्ष 2017 में लोकायुक्त ने इस शिकायत पर आदेश पारित करते हुए एंटी करप्रशान ब्यूरो को कमला सिंह की संपत्ति की जांच करने का आदेश दिया था। जिसे लेकर कमला सिंह की ओर से झारखण्ड हाईकोर्ट में रिट याचिका दाखिल की गई थी। 19 सितंबर 2023 को हाईकोर्ट ने कमला सिंह के रिट पिटीशन को निरस्त कर दिया था। कमला सिंह की ओर से हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दाखिल की थी। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता मनोज टंडन ने पक्ष रखते हुए कहा लोकायुक्त अधिनियम 2001 के सेवकशन आठ के तहत किसी सरकारी सेवक पर आरोप लगाने के 5 साल के भीतर जांच करने का आदेश दिया जा सकता है लेकिन यह मामला 2005 का है और ओर वर्ष 2013 में इसकी शिकायत रवि कुमार द्वारा लोकायुक्त से की थी। जिसके तहत 2017 में लोकायुक्त ने इनकी संपत्ति का जांच का आदेश दिया था, जो गलत है।

सरकार की विकास योजनाओं को धरातल पर उतारना आशमिकता - डॉ रामेश्वर उर्यांत

પર ડ્રાષ્ટાના ગ્રાદ્યાનકતા : ડૉ દામદાર ડાવ

काम काज संभालने के बाद खाद्य आपूर्ति विभाग के अधिकारियों

रामेश्वर उरांव ने सोमवार को प्रोजेक्ट भवन स्थित कार्यालय में कामकाज संभाल लिया। मंत्रालय में अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। उहाँने वित्त, खाद्य आपूर्ति विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। इस अवसर पर वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव ने कहा कि राज्य सरकार की विकास योजनाओं को प्राथमिकता से पूरा कराना उनका लक्ष्य है। इस वित्तीय वर्ष की बजट की राशि समय पर खर्च की जाये इसके लिए जल्द ही सारे विभागों के साथ बैठक भी करेंगे। सभी को राशन उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता सची में शामिल है। वित्त मंत्री ने भगासी बजट सत्र की

उनका प्राचीनकरा दूधा न रानील ह। परा न माना जायेगा वहाँ सत्र का तैयारी की भी समीक्षा की।
बसंत सोरेन को मिलेगा चंपाई सोरेन वाला कक्ष : राज्य के नवनियुक्त मंत्री बसंत सोरेन को हेमत सोरेन की सरकार में मंत्री रहे चंपाई सोरेन का आवाटित कक्ष दिया जाएगा। बसंत सोरेन राज्य के भवन निर्माण मंत्री, पथ निर्माण मंत्री व जलसंसाधन विभाग के भी मंत्री है। भवन निर्माण विभाग प्रोजेक्ट भवन सचिवालय स्थित ग्राउंड स्थित कमरा नंबर आठ की नये सिस्टम से साज-सज्जा करा रहा है। जल्द ही बसंत सोरेन इसी कार्यालय में अपने

योगदान देकर कामकाज संभालेंगे।

नफरत का अमेरिका

भ ले ही लाखों भारतीय युवाओं के लिए अमेरिका एक सुनहरे सपनों का देश हो, लेकिन नये साल की शुरुआत में पांच प्रतिशत भारतीय छात्रों की मौत बताई है कि वहां जमीनी हकीकत खासी कंटीली है। ऐसे में भारतीय छात्रों की भी सचेत रहने की जरूरत है। इसे भारतीय कर भी अमेरिका में भारतीय छात्रों पर बढ़ते नस्लवाद दृष्टि से चेतित है। वैश्विक और धेरों राजनीतिक परिवर्ष में कई मुद्दों पर आत्मविश्वास से भेर व स्वतंत्र रुख अपनाने, असाधारण खेल उपलब्धियां (ओलंपिक सहित) दर्ज करने, चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक (वैश्विक पहली) लैंडिंग करने आदि हमारे लिए इस बात को मानने के कुछ कारण हैं कि अधिकारीएक एक नया भारत रम्भर रहा है। वर्तमान में जीर्ण भारत का आर्थिक परिवर्तन, बड़े पैमाने पर हो रहे हैं। ऐसे में भारतीय युवा उन काहिल अमेरिकी युवाओं की अंखों की बाहर नहीं हैं। जिन्होंने लगाता है कि भारतीय युवा भी छोटी-छोटी घटनाओं पर हो रहा है। दरअसल, इस सोच की विश्वासीया राष्ट्रपति रहे हैं डोनाल्ड ट्रंप ने युवाओं का राजनीतिक दोहन करके चले गये लेकिन पश्चात अमेरिकी सफलता की नवी इवार लिख रहे युवा भारतीयों को निशाना बना रहे हैं। हालात कई भारतीय छात्रों के स्वप्नों के अमेरिका में दुर्घटन

बनाया जा रहा है। फरवरी के दृष्टिले सप्ताह में शिक्षागों में एक भारतीय युवा को अज्ञात हमलावरों ने निशाना बनाया। इससे वाले एक्सीबी की डिग्री हासिल करने वाले सैनी की लियोनिया में पैट-पैटरन हथाकर दर दी गई। ईडियामों में सीमों अपनी पिछले दूसरे बाहर नहीं होने की पुष्टि हुई। वर्षों एक युवा अकुल धनवन, जो इलिनोइस विश्वविद्यालय में पढ़ रहा था, खिलों माह मृत पाया गया। इसी तरह श्रेयस रेडी की मौत की खबर कुछ सप्ताह पूर्व आयी। निश्चय ही थे हत्याएं उन छात्रों को व्यक्ति करने वाली हैं जो अमेरिका में अपने सपनों का संसार देखते हैं। निसर्दह, ये घटनाएं उन मा-वाप के लिये दुखावी हैं जो अपने चल-अचल संपत्ति बेचकर या जीवों की सारी पूँजी लगाकर अपने बच्चों का भविष्य संवारने अमेरिकी भेजते हैं ये बच्चे नस्लवादी देखियों की दिंसा का शिक्षण बन रहे हैं। आज एक प्रतिशत भारतीय अमेरिकी अर्थव्यवस्था में छह फीसदी आयकर दे रहे हैं। दरअसल, अमेरिका में बेरोजगारी की अंख में खटकती है। दरअसल, अमेरिकी अर्थव्यवस्था के चलते भारतीय छात्रों का मुकाबला नहीं कर पाते। वह दुष्कार उन्हें कालांतर में हिंसक बनाता है। अमेरिकी पुलिस भी इस दिशा में गंभीर नजर नहीं आता। रोजगार के असरों की कमी के चलते उत्पन्न असरों की बीच से बड़ी संख्या में अमेरिकी अपनाया की दुनिया में उत्तर रहे हैं। वह दुखद ही है कि खिलोंने साथ में रहे रहे पांच सौ युवाओं की भारतीय मूल के लोगों के साथ नस्लीय हिंसा की घटनाएं हुई हैं जो खिलोंने साल के मुकाबले में चालीस फीसदी अधिक है। हिंसा की चेष्टे में केवल छात्र ही नहीं हैं बल्कि वहां नौकरी कर रहे और वहां बस उके लोग भी शामिल हैं। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार सार्वजनिक टिप्पणी की थी कि भारतीय युवा अमेरिकी युवाओं का हक छीन रहे हैं। वही वजह है कि दक्षिणपंथी ट्रंप को आज भी अधिक अमेरिकी युवाओं का संघरण मिल रहा है। दक्षिणपंथी अमेरिकी युवाओं को इस बात से भी परेशानी है कि बाइडन प्रासान भारतीय मूल के लोगों को अधिक असरों का उत्तर रहे हैं। आंकड़े तक रहे हैं कि बाइडन सकार ने साथी सी से अधिक व्यक्तियों पर भारतीय मूल के लोगों की नियुक्ति की है। वहां तक कि आज अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस भी भारतीय मूल की है। निसर्दह, ऐसी स्थिति में भारतीय समुदाय के लोगों और राजनीतिक कर्मचारियों को छात्रों तक पहुँचाये और उनको समस्याओं को दूर करने के लिये अतिरिक्त प्रयास करने होंगे।

आयुर्वेद: वया यह स्वास्थ्य का भविष्य है

स्वास्थ्य

उनका इलाज करने के लिए प्राकृतिक तरीकों का उपयोग करता है। समय स्वास्थ्य: आयुर्वेद के वर्तमान स्वास्थ्य पर ही नहीं, बल्कि मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर भी ध्यान के दिलाई करता है। सुझाव: आयुर्वेदिक उचाचर को रोकने और सुरक्षित होते हैं और इन के लिए क्रम दुरुपाव होते हैं।

आयुर्वेद के कुछ प्रमुख सिद्धांतों में शामिल हैं: प्रकृति: शरीर और प्रकृति एक दूसरे से जुड़े हुए हैं।

त्रिदोष: शरीर में तीन ऊर्जाएं (वात, पित्त और कफ) होती हैं, जो वैज्ञानिक प्रमाण: आयुर्वेदिक उचाचरों के लिए वैज्ञानिक प्रमाणों की कमी है।

समय और लागत: आयुर्वेदिक उचाचरों में समय और पैसा लग सकता है।

उपलब्धता: सभी जगह आयुर्वेदिक उपचार उपलब्ध नहीं हैं।

आयुर्वेद स्वास्थ्य का भविष्य हो सकता है, यदि वैज्ञानिक अनुसंधान: आयुर्वेदिक उचाचरों के लिए वैज्ञानिक प्रमाणों को बढ़ाने के लिए अधिक अनुसंधान की रोकथाम: आयुर्वेद रोगों की रोकने और अवश्यकता है।

आयुर्वेद के कुछ लाभों में शामिल हैं: रोगों की रोकथाम: आयुर्वेद रोगों को रोकने और अवश्यकता है।

आयुर्वेद के कुछ प्रमुख सिद्धांतों में शामिल हैं: वैज्ञानिक प्रमाण: आयुर्वेदिक उचाचरों के लिए वैज्ञानिक प्रमाणों की कमी है।

समय और लागत: आयुर्वेदिक उचाचरों में समय और पैसा लग सकता है।

उपलब्धता: सभी जगह आयुर्वेदिक उपचार उपलब्ध नहीं हैं।

आयुर्वेद स्वास्थ्य का भविष्य हो सकता है, यदि वैज्ञानिक अनुसंधान: आयुर्वेदिक उचाचरों के लिए वैज्ञानिक प्रमाणों को बढ़ाने के लिए अधिक अनुसंधान की रोकथाम: आयुर्वेद रोगों की रोकने और अवश्यकता है।

आयुर्वेद के कुछ लाभों में शामिल हैं: रोगों की रोकथाम: आयुर्वेद रोगों को रोकने और अवश्यकता है।

आयुर्वेद के कुछ प्रमुख सिद्धांतों में शामिल हैं: प्रकृति: शरीर और प्रकृति एक दूसरे से जुड़े हुए हैं।

त्रिदोष: शरीर में तीन ऊर्जाएं (वात, पित्त और कफ) होती हैं, जो वैज्ञानिक प्रमाण: आयुर्वेदिक उचाचरों के लिए वैज्ञानिक प्रमाणों की कमी है।

समय और लागत: आयुर्वेदिक उचाचरों में समय और पैसा लग सकता है।

उपलब्धता: सभी जगह आयुर्वेदिक उपचार उपलब्ध नहीं हैं।

आयुर्वेद स्वास्थ्य का भविष्य हो सकता है, यदि वैज्ञानिक अनुसंधान: आयुर्वेदिक उचाचरों के लिए वैज्ञानिक प्रमाणों को बढ़ाने के लिए अधिक अनुसंधान की रोकथाम: आयुर्वेद रोगों की रोकने और अवश्यकता है।

आयुर्वेद के कुछ लाभों में शामिल हैं: रोगों की रोकथाम: आयुर्वेद रोगों को रोकने और अवश्यकता है।

आयुर्वेद के कुछ प्रमुख सिद्धांतों में शामिल हैं: प्रकृति: शरीर और प्रकृति एक दूसरे से जुड़े हुए हैं।

त्रिदोष: शरीर में तीन ऊर्जाएं (वात, पित्त और कफ) होती हैं, जो वैज्ञानिक प्रमाण: आयुर्वेदिक उचाचरों के लिए वैज्ञानिक प्रमाणों की कमी है।

समय और लागत: आयुर्वेदिक उचाचरों में समय और पैसा लग सकता है।

उपलब्धता: सभी जगह आयुर्वेदिक उपचार उपलब्ध नहीं हैं।

आयुर्वेद स्वास्थ्य का भविष्य हो सकता है, यदि वैज्ञानिक अनुसंधान: आयुर्वेदिक उचाचरों के लिए वैज्ञानिक प्रमाणों को बढ़ाने के लिए अधिक अनुसंधान की रोकथाम: आयुर्वेद रोगों की रोकने और अवश्यकता है।

आयुर्वेद के कुछ लाभों में शामिल हैं: रोगों की रोकथाम: आयुर्वेद रोगों को रोकने और अवश्यकता है।

आयुर्वेद के कुछ प्रमुख सिद्धांतों में शामिल हैं: प्रकृति: शरीर और प्रकृति एक दूसरे से जुड़े हुए हैं।

त्रिदोष: शरीर में तीन ऊर्जाएं (वात, पित्त और कफ) होती हैं, जो वैज्ञानिक प्रमाण: आयुर्वेदिक उचाचरों के लिए वैज्ञानिक प्रमाणों की कमी है।

समय और लागत: आयुर्वेदिक उचाचरों में समय और पैसा लग सकता है।

उपलब्धता: सभी जगह आयुर्वेदिक उपचार उपलब्ध नहीं हैं।

आयुर्वेद स्वास्थ्य का भविष्य हो सकता है, यदि वैज्ञानिक अनुसंधान: आयुर्वेदिक उचाचरों के लिए वैज्ञानिक प्रमाणों को बढ़ाने के लिए अधिक अनुसंधान की रोकथाम: आयुर्वेद रोगों की रोकने और अवश्यकता है।

आयुर्वेद के कुछ लाभों में शामिल हैं: रोगों की रोकथाम: आयुर्वेद रोगों को रोकने और अवश्यकता है।

आयुर्वेद के कुछ प्रमुख सिद्धांतों में शामिल हैं: प्रकृति: शरीर और प्रकृति एक दूसरे से जुड़े हुए हैं।

त्रिदोष: शरीर में तीन ऊर्जाएं (वात, पित्त और कफ) होती हैं, जो वैज्ञानिक प्रमाण: आयुर्वेदिक उचाचरों के लिए वैज्ञानिक प्रमाणों की कमी है।

समय और लागत: आयुर्वेदिक उचाचरों में समय औ



एक नजर में

ईवीएम मोबाइल प्रदर्शन वैन के माध्यम से मतदाताओं को किया जा रहा जागरूक



खबर मन्त्र संवाददाता

कोडरमा। आगामी लोकसभा निर्वाचन 2024 को लेकर मतदाताओं के बीच ईवीएम प्रदर्शन केंद्र और मोबाइल प्रदर्शन वैन के माध्यम से ईवीएम/वीवीपैट संबंधी जागरूकता कार्यक्रम कोडरमा जिलान्तरी प्रयोक मतदात केंद्रों पर किया जा रहा है। इसके अंतर्गत ईवीएम मोबाइल प्रदर्शन के तहत जिले के सभी मतदात केंद्रों में युवा मतदाताओं के साथ-साथ नये मतदाताओं को अपने साथधिकार का प्रयोग के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इससे मतदाता वोट कोडरमा। आगामी लोकसभा निर्वाचन 2024 को लेकर मतदाताओं के बीच ईवीएम प्रदर्शन केंद्र और मोबाइल प्रदर्शन वैन के माध्यम से ईवीएम/वीवीपैट संबंधी जागरूकता कार्यक्रम कोडरमा जिलान्तरी प्रयोक मतदात केंद्रों पर किया जा रहा है। और मतदात करने की प्रक्रिया को बताया जा रहा है। इसके साथ-साथ युवा बृथ अभियान के तहत जिले के सभी प्रदर्शन केंद्रों पर किया जा रहा है। इसके साथ-साथ युवा मतदाताओं को साथ-साथ नये मतदाताओं को अपने साथधिकार का प्रयोग के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

नौकरी वापसी की मांग पर संघर्ष तेज करने का लिया संकल्प



खबर मन्त्र संवाददाता

झमरीतिलैया (कोडरमा)। आगंवाड़ी केन्द्रों में पोषण संख्या को पुग़ बढ़ावा देने के बजाए सक्र पर वैराग्य जिलों की पोषण संख्यों के साथ आंदोलन किया जायेगा। साथ ही आगे की रणनीति बनाने को लेकर वार्कर को ब्लॉक परिसर में बुद्धा वैठक करने का निर्णय लिया गया। वैठक की अध्यक्षता संघ की जिलाव्याय गयत्री पासवान ने किया। वहीं निर्णय लिया गया कि विधानसभा के बजाए सक्र पर वैराग्य जि�लों की पोषण संख्यों के साथ अंदोलन किया जायेगा। साथ ही आगे की रणनीति बनाने को लेकर 4 मार्च को जिला स्तरीय बैठक करने का निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता संघ की जिलाव्याय गयत्री पासवान ने किया। वहीं निर्णय लिया गया कि विधानसभा के बजाए सक्र पर वैराग्य जि�लों की पोषण संख्यों के साथ अंदोलन किया जायेगा। साथ ही आगे की रणनीति बनाने को लेकर 4 मार्च को जिला स्तरीय बैठक करने का निर्णय लिया गया।

